ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, बुधवार 23 अप्रैल 2025

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 2 अंक 32

पहलगाम हमले में 2 लोकल, 3 पाकिस्तानी आतंकी शामिल PM के घर सुरक्षा मामलों पर कैबिनेट कमेटी की बैठक



24 न्यूज अपडेट

सुरक्षा और इंटेलिजेंस एजेंसियों ने पहलगाम अटैक के संदिग्ध आतंकियों के स्केच जारी किए हैं। इनके नाम आसिफ फौजी, सुलेमान शाह और अबु तल्हा बताए गए हैं। इंटेलिजेंस सूत्रों ने बताया कि हमले का मास्टर माइंड लश्कर-ए तैयबा का डिप्टी चीफ सैफुल्लाह खालिद है, जो पाकिस्तान में मौजूद है। इधर, नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (NIA) भी जांच के लिए पहलगाम पहुंच गई है।

शुरुआती जांच में पता चला है कि हमले में 5 आतंकी शामिल थे। इनमें से दो लोकल और 3 पाकिस्तानी आतंकी थे। पुलिस ने पूछताछ के लिए सैकड़ों लोगों को हिरासत में लिया है।

हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा के प्रॉक्सी विंग द रजिस्टेंस फ्रंट (TRF) ने ली है। इस बीच, पाकिस्तान के डिफेंस मिनिस्टर ख्वाजा आसिफ ने कहा कि इस हमले में हमारा कोई हाथ नहीं है।

सुरक्षा मामलों पर कैबिनेट की बैठक प्रधानमंत्री आवास में जारी है। बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ, NSA अजित डोभाल मौजूद हैं।

पहलगाम में मंगलवार दोपहर हुए आतंकवादी हमले में 27 लोगों की मौत हो गई। 20 से ज्यादा लोग घायल हैं। हमला उस वक्त किया गया, जब बैसरन घाटी में बड़ी तादाद में पर्यटक मौजूद थे। मृतकों में UP, गुजरात, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु और ओडिशा के पर्यटक हैं। नेपाल और UAE के एक-एक टूरिस्ट और 2 स्थानीय भी मारे गए।

जम्मू-कश्मीर में 14 फरवरी 2019 को हुए पुलवामा अटैक के बाद ये सबसे बड़ा हमला है। पुलवामा में CRPF के काफिले पर फिदायीन हमला हुआ था, इसमें 40 जवान शहीद हुए थे। इसकी जिम्मेदारी जैश-ए-मोहम्मद ने ली थी।

इंटेलिजेंस सूत्रों ने बताया कि पहलगाम अटैक में तीन फॉरेन टेररिस्ट और दो लोकल आतंकी शामिल थे। सूत्रों ने कहा कि पहलगाम हमले का मास्टर माइंड सैफुल्लाह खालिद है। यह पाक अधिकृत कश्मीर (PoK) से ऑपरेट करता है। इसकी लोकेशन रावलकोट बताई गई है। सैफुल्लाह ने एक महीने पहले हमले की चेतावनी भी दी थी। इसका 2019 का एक वीडियो भी वायरल हुआ था। इस वीडियो में सैफुल्लाह ने कहा था कि कश्मीर का मसला ठंडा नहीं होने देना है।

अमित शाह ने मृतकों को श्रद्धांजलि दी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह श्रीनगर में पहलगाम हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद शाह बैसरन घाटी पहुंचे। यहां उन्होंने हमले के पीड़ितों से बातचीत की और अधिकारियों से जानकारी ली। उधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब का दो दिन दौरा छोड़ बुधवार सुबह भारत लौट आए हैं। वे सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक करेंगे।

पहलगाम में मरने वालों और घायलों के नाम

मरने वाले

1. सुशील नाथ्याल (मध्य प्रदेश)
2. सैयद आदिल हुसैन शाह (जम्मू कश्मीर)
3. हेमंत सुहास जोशी (महाराष्ट्र)
4. विनय नरवाल (हरियाणा)
5. अतुल श्रीकांत मोनी (महाराष्ट्र)
6. नीरज उधवानी (उत्तराखंड)
7. बिटन अधिकारी (पश्चिम बंगाल)
8. शुभम द्विवेदी (उत्तर प्रदेश)
9. प्रशांत कुमार सतपथी (उड़ीसा)
10. मनीष रंजन (बिहार)
11. एन रामचंद्र (केरल)
12. संजय लक्ष्मण लाली (महाराष्ट्र)
13. दिनेश अग्रवाल (चंडीगढ़)
14. समीर गुहार (पश्चिम बंगाल)
15. दिलीप दसाली (महाराष्ट्र)
16. जे. सचंद्रा मोलि (आंध्र प्रदेश)
17. मधुसूदन सोमिसेट्टी (कर्नाटक)
18. संतोष जागधा (महाराष्ट्र)
19. मंजू नाथ राव (कर्नाटक)
20. कस्तूबा गवंतोय (महाराष्ट्र)
21. भरत भूषण (कर्नाटक)
22. सुमित परमार (गुजरात)
23. टेजेहयलिंग (अरुणाचल प्रदेश)
24. शैलेषभाई कलाठिया (गुजरात)
25. यतेश परमार (गुजरात)

विदेशी टूरिस्ट

26. सुदीप नेवपाने (नेपाल)

घायल

1. डोभी विनो बह (गुजरात)
2. डॉ. ए. परमेश्वर (तमिलनाडु)
3. शशि कुमारी नाइक (कर्नाटक)
4. सन्तानो (तमिलनाडु)
5. सोबेदे पाटिल (मुंबई)
6. विनय बाई (गुजरात)
7. मनीक पटेल पनवेल (महाराष्ट्र)
8. रेनू पांडे (नेपाल)
9. बालचंद्रु (महाराष्ट्र)
10. अब्जया एम. राव (कर्नाटक)
11. आकांक्षा (मध्य प्रदेश)
12. लक्षिता दास (छत्तीसगढ़)
13. जेनिफर (मध्य प्रदेश)
14. जया मिश्रा (हैदराबाद)
15. शबारीगुहा (कोलकाता)
16. हर्षा जैन (महाराष्ट्र)
17. निकिता जैन (महाराष्ट्र)

पहलगाम हमलाः नाम के साथ तीन आतंकियों के स्केच जारी, जनता से सुराग देने की अपील



सुरक्षा एजेंसियों ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले में शामिल तीन आतंकवादियों के स्केच जारी किए हैं. बैसरन के घास के मैदान में नागरिकों पर हुए घातक हमले में अब तक 26 लोगों की जान जा चुकी है. आतंकी हमले में शामिल संदिग्धों की पहचान आसिफ फूजी, सुलेमान शाह और अबू तल्हा के रूप में हुई है.

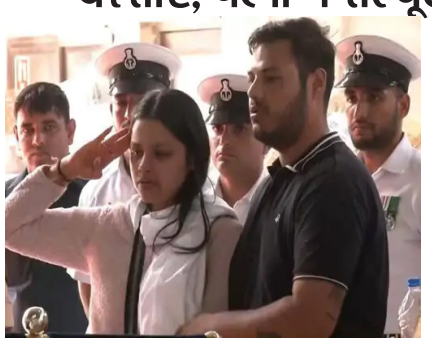
शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, हमलावरों ने AK-47 राइफलों से लैस होकर करीब 20 मिनट तक गोलियां चलाईं, जिससे शांत पहाड़ी इलाका खौफनाक मंजर में बदल गया. प्रारंभिक जांच से परिचित एक अधिकारी ने कहा, "वहां अफरा-तफरी मची हुई थी. गोलीबारी बंद नहीं हुई. लोग चीख रहे थे, छिपने के लिए भाग रहे थे - चारों तरफ खून-खराबा, दहशत, सब कुछ था."

अधिकारियों का मानना है कि हमले में तीन से चार आतंकवादी शामिल थे. इनमें से दो की पहचान पाकिस्तानी नागरिक के रूप में हुई है और बाकी स्थानीय आतंकी हैं. सभी के बारे में कहा जाता है कि वे लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और उसके प्रॉक्सी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) से जुड़े हैं.

22 अप्रैल को बैसरन में हमला हुआ, जो पर्यटक शहर पहलगाम का एक हरा-भरा घास का मैदान है, जिसे अक्सर देवदार के पेड़ों से लदे ढलानों और मनोरम दृश्यों के लिए 'मिनी-स्विट्जरलैंड' कहा जाता है. वसंत ऋतु के कारण घाटी में नई जान आने के कारण पर्यटक बड़ी संख्या में इस क्षेत्र में आए थे. लेकिन हमलावरों ने 'मिनी-स्विट्जरलैंड' को हत्या के मैदान में बदल दिया.

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, "यह न केवल निर्दोष लोगों के जीवन पर हमला था, बल्कि कश्मीर में शांति की वापसी के प्रयास पर भी हमला था. यह कश्मीर के इतिहास में सबसे घातक आतंकवादी हमलों में से एक है." उन्होंने कहा, "हम लोगों से आग्रह करते हैं कि वे किसी भी सुराग को साझा करें और सुरक्षा बलों के साथ सहयोग करें."

हरियाणा के लेफ्टिनेंट को अंतिम विदाईःलोगों ने पार्थिव देह पर फूल बरसाए, पत्नी ने सैल्यूट किया



जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों की गोली से कत्ल हुए लेफ्टिनेंट विनय नरवाल का पार्थिव शरीर करनाल पहुंच गया है। यहां घर पर दर्शन के बाद उनकी अंतिम यात्रा शुरू हुई, जो मॉडल टाउन स्थित श्मशान घाट पहुंच गई है। थोड़ी देर में अंतिम संस्कार कर दिया जाएगा । इस दौरान बहन ने भी उन्हें कंधा दिया। उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए जनसैलाब उमड़ा है। लोग विनय नरवाल अमर रहे और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगा रहे हैं।

CM नायब सैनी भी लेफ्टिनेंट के घर पहुंचे हैं। उन्होंने परिजनों से मुलाकात की। CM ने जींद में रखा कार्यक्रम रद्द कर दिया था।

इससे पहले नवविवाहित पत्नी लेफ्टिनेंट के पार्थिव देह से लिपटकर रो पड़ीं। विनय का पार्थिव शरीर करनाल लाने से पहले दिल्ली एयरपोर्ट पर लाया गया था। जहां गुरुग्राम की रहने वाली पत्नी हिमांशी ने विनय के लिए कहा- आई एम प्राउड ऑफ यू (मुझे आप पर गर्व है)। हिमांशी ने विनय को सैल्यूट करते हुए जय हिंद कहा।

पहलगाम आतंकी हमला : दुबई में सीए की जॉब करने वाले जयपुर के नीरज पत्नी संग घूमने गए थे, रात तक पहुंचेगा शव



जयपुरः जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार (22 अप्रैल) को हुए आतंकी हमले में जयपुर के एक युवक की भी मौत हुई है. जयपुर के मालवीय नगर स्थित फारेस्ट व्यू रेसीडेंसी के निवासी नीरज उधवानी दुबई में जॉब करते थे. वह आखिरी बार मकर संक्रांति पर जयपुर आए थे.

वह दुबई से अपने दोस्त की शादी में शामिल होने शिमला गए थे, जहां एक-दो दिन की और छुट्टी होने के कारण जम्मू-कश्मीर घूमने गए थे. वह पत्नी के साथ जम्मू-कश्मीर के पहलगाम घूमने गए, जहां आतंकियों की गोली का शिकार हो गए. नीरज का शव बुधवार रात को हवाई मार्ग से जयपुर लाया जाएगा.

आखिरी बार मकर संक्रांति पर आए थे घर : नीरज के चाचा दिनेश उधवानी ने बताया कि नीरज यूएई में जॉब करते थे. करीब दो साल पहले पुष्कर के भंवर सिंह पैलेस में शादी हुई थी. उनके बड़े भाई किशोर उधवानी सरकारी अधिकारी हैं. उन्होंने बताया कि नीरज आखिरी बार मकर संक्रांति पर जयपुर आए थे. वह अभी दुबई से शिमला एक दोस्त की शादी में गए थे, जहां से कश्मीर घूमने चले गए. हमले के समय उनकी पत्नी आयुषी होटल में थी. आयुषी ने ही कॉल कर परिजनों को आतंकी घटना की जानकारी दी थी.

आतंकियों ने की ताबड़तोड़ फायरिंग : बता दें कि मंगलवार दोपहर पहलगाम के बैसरन घाटी में आतंकियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की थी. इस दौरान वहां बड़ी संख्या में पर्यटक मौजूद थे. आतंकियों की गोलीबारी में 27 लोगों की मौत हो गई. जबकि इस घटना में 20 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं. मृतकों में जयपुर (राजस्थान), यूपी, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु और ओडिशा के पर्यटक शामिल हैं. विदेशी पर्यटकों के साथ ही स्थानीय लोगों की भी मौत हुई है.

इंडियन आर्मी को टेररिस्ट समझ रोने लगे, पर्यटकःमहिला बोली- बच्चे को कुछ मत करना; फौजी ने दिलाया भरोसा



जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार दोपहर करीब 2.45 बजे आतंकियों ने फायरिंग की। बैसरन घाटी घूमने आए पर्यटकों को निशाना बनाया गया। फायरिंग में 27 लोगों की मौत हुई, कई लोग घायल हुए। पुलवामा के बाद ये अब तक का सबसे बड़ा आतंकी हमला माना जा रहा है।

हमले के बाद जब आर्मी के जवान बैसरन घाटी पहुंचे तो महिलाओं-बच्चों ने उन्हें आतंकवादी समझ लिया, क्योंकि फायरिंग करने वाले आतंकवादी भी फौजियों की वर्दी में थे। इसके बाद जवानों ने उन्हें समझाया कि हम इंडियन आर्मी हैं।

कश्मीरी बोले- टूरिस्ट नहीं लौटे तो बर्बाद हो जाएंगेःटेरर अटैक के बाद घाटी खाली-बुकिंग्स कैंसिल; लौट रहे पर्यटक, आगे क्या होगा



कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने 27 टूरिस्ट की जान ले ली। यही बात सबसे हैरान करने वाली है। जम्मू-कश्मीर में सैकड़ों आतंकी हमले हुए, लेकिन टूरिस्ट कभी टारगेट नहीं रहे। इसकी वजह थी कि कश्मीर घूमने आने वालों से ही कश्मीरियों के घर चलते हैं। और आतंकी भी ये बात जानते हैं।

टूरिस्ट अब कश्मीर छोड़ रहे हैं। बुकिंग कैंसिल करवा रहे हैं। टूरिज्म इंडस्ट्री से जुड़े लोग यही सोच रहे हैं कि मुश्किल से पटरी पर आ रहा उनका कारोबार इस झटके से कैसे उबरेगा। हालांकि उनका कहना कि हमें पता था ऐसी घटना के बाद ये होगा। आतंकियों की हरकत से हमें भी शर्मिंदगी हो रही है। पहलगाम हमले के बाद कश्मीर में क्या बदल सकता है? इसका जवाब तलाशने की कोशिश की। हमारे रिपोर्टर वैभव पलनीटकर और सुनील मौर्य लंबे अरसे से जम्मू-कश्मीर में रिपोर्टिंग करते रहे हैं। सहयोगी रऊफ डार अनंतनाग में रहते हैं और कश्मीर की खबरें कवर करते हैं। उन्होंने अपना अनुभव और यहां से बनी समझ शेयर की है।

नाम पूछकर हिंदुओं को गोली मारी, क्या है TRF:गैर मुस्लिम टारगेट पर, पहलगाम हमले की जिम्मेदारी ली



24 न्यूज अपडेट

22 अप्रैल की दोपहर करीब 2 बजे, जगह- कश्मीर के पहलगाम की बैसरन घाटी। देश के अलग-अलग राज्यों से 40 से ज्यादा लोगों का ग्रुप यहां घूमने आया था। सभी टूरिस्ट खुले मैदान में थे। आसपास ही 4 से 5 छोटी-छोटी दुकानें हैं। कुछ टूरिस्ट दुकानों के बाहर लगी कुर्सियों पर बैठ गए। कुछ टूरिस्ट आसपास मैदान में बैठे थे।

तभी जंगल की तरफ से दो लोग आए। उन्होंने एक टूरिस्ट से नाम पूछा। टूरिस्ट ने अपना नाम बताया। जंगल से आए लोगों में से एक टूरिस्ट की ओर इशारा करके बोला- ये मुस्लिम नहीं है। इसके बाद पिस्टल निकाली और टूरिस्ट के सिर में गोली मार दी। करीब 10 मिनट तक गोली चलाते रहे। टूरिस्ट्स और दुकानदारों को समझ आ गया कि ये आतंकी हमला है। शुरुआत में एक टूरिस्ट के मरने की खबर आई। रात के 11 बजते-बजते मौतें बढ़कर 27 हो गईं।

पहलगाम में हुआ हमला बीते 6 साल में कश्मीर में सबसे बड़ा टेररिस्ट अटैक है। इससे पहले पुलवामा में आतंकियों के हमले में 40 जवानों की मौत हुई थी। हमले की जिम्मेदारी द रजिस्टेंस फ्रंट यानी TRF ने ली है। इसका सुप्रीम कमांडर शेख सज्जाद गुल है। श्रीनगर में पैदा हुआ शेख सज्जाद अभी पाकिस्तान में है।

हमले के दौरान मौजूद टूरिस्ट, पुलिस और डिफेंस एक्सपर्ट से हमले के तरीके, टाइमिंग और वजहों पर बात की। एक्सपर्ट मानते हैं कि हमला करने वाले आतंकी पाकिस्तान से आए थे। लोकल मिलिटेंट टूरिस्ट पर हमला नहीं करते। ये हमला उन्होंने हिंदुओं और मुसलमानों के बीच दरार डालने के लिए किया है।

संपादकीय : आतंक का दायरा

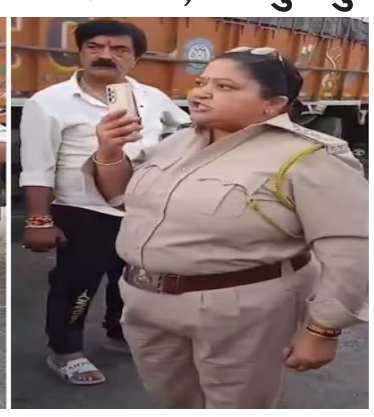
जम्मू-कश्मीर में पिछले कुछ समय से आतंकवादी संगठनों के हमले और उनकी सक्रियता में जिस कदर बढ़ोतरी देखी जा रही है, उससे यह चिंता स्वाभाविक है कि क्या यह समस्या एक बार फिर जटिल शक्ल अख्तियार कर रही है । इतना साफ है कि आतंक के रास्ते भारत में जो मकसद ये हासिल करना चाहते हैं, उसका पूरा होना संभव नहीं है, लेकिन यह भी देखा जा सकता है कि उनके हमलों की रणनीति में जो बदलाव आया है, वह इस समस्या को और गंभीर बना रहा है। आए दिन वहां से अब आतंकी हमलों, उनसे सुरक्षा बलों की मुठभेड़, कुछ आतंकियों का मारा जाना या फिर किसी जवान की शहादत की घटनाएं अक्सर सामने आने लगी हैं। बीते कुछ वर्षों में पाकिस्तान स्थित ठिकानों से अपनी गतिविधियां संचालित करने वाले आतंकी संगठनों ने सुरक्षा बलों के शिविरों पर हमले करने के समांतर लक्षित हमलों की रणनीति अपनाना शुरू कर दिया है। अब इसी क्रम में आतंकियों ने पर्यटकों पर हमले शुरू कर दिए हैं, जिसके पीछे छिपी मंशा स्पष्ट दिखती है जम्मू-कश्मीर में पर्यटन या अन्य कारणों से आने वालों के भीतर खौफ पैदा किया जा सके। कश्मीर में पहलगाम के बैसरन इलाके में मंगलवार को आतंकवादियों ने पर्यटकों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें बीस से ज्यादा लोगों के मारे जाने और कई के घायल होने की खबर आई। दरअसल, जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था में पर्यटन की भूमिका जगजाहिर रही है। माना जाता रहा है कि इसी वजह से आतंकवादी संगठन पर्यटन स्थलों का रुख करने वाले लोगों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाते हैं, ताकि वहां पर्यटकों का आना-जाना निर्बाध रहे । अगर देश - दुनिया से वहां घूमने जाने वालों के भीतर डर बैठा, तो वहां की अर्थव्यवस्था पर इसका विपरीत असर पड़ सकता है। लेकिन इस बार पर्यटकों को निशाना बना कर आतंकियों ने न केवल बाहरी लोगों को डराने, बल्कि वहां की अर्थव्यवस्था की रीढ़ पर हमला करने की कोशिश की है। इसके अलावा, जुलाई की शुरुआत में अमरनाथ यात्रा भी शुरू होने वाली है और वहां जाने का रास्ता पहलगाम से होकर गुजरता है। ऐसे में आतंकियों के इस हमले को अमरनाथ यात्रा को प्रभावित करने की कोशिश के तौर पर भी देखा जा रहा है। पर्यटकों पर गोलीबारी हाल के दिनों में सबसे गंभीर घटना मानी जा रही है, जिसके पीछे मंशा न केवल सुरक्षा बलों और सरकार को चुनौती पेश करना, बल्कि बाहरी लोगों को डराना है। इससे उन्हें अपना एक मकसद यह भी पूरा होने की उम्मीद है कि वे स्थानीय और बाहरी लोगों के भीतर खाई पैदा कर सकेंगे। मगर ऐसे आतंकी हमलों के बाद अब वहां की स्थानीय आबादी के बीच आतंकियों के खिलाफ जिस तरह का आक्रोश देखा जाता है, वह भविष्य के लिए एक उम्मीद जगाता है। पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर की मुख्यधारा की लोकतांत्रिक राजनीति में सक्रिय लगभग सभी दलों और उनके नेताओं ने इसकी तीखी आलोचना की और इसे कायराना हरकत बताया। मगर हकीकत यह भी है कि जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रपति शासन का दौर रहा हो या फिर उसके बाद बड़ी जदोजहद के बाद शुरू हुई लोकतांत्रिक प्रक्रिया और उसके तहत चुनी हुई सरकार का गठन, आतंकी वारदात पर काबू पाने की कोशिशें नाकाम दिखती हैं। अगर सरकार की ओर से इस मसले पर ठोस और सचिंतित कार्रवाई नहीं की गई, तो इसके दूरगामी घातक नतीजे सामने आ सकते हैं।

सोने की चमक

एक दिन में अभूतपूर्व उछाल के साथ सोने का भाव बढ़ कर एक लाख रुपए प्रति दस ग्राम तक पहुंच गया। जिस तरह इसकी कीमत में लगातार तेजी का रुख बना हुआ था, उससे इसके इस स्तर पर पहुंचने का अनुमान पहले से लगाया जा रहा था। सोने की कीमत बढ़ने की कुछ वजहें साफ हैं। अमेरिकी शुल्क नीति के कारण जिस तरह दुनिया भर में आर्थिक अनिश्चितता का वातावरण है, उसमें सोने की कीमत बढ़नी तय थी दूसरे, बढ़ती महंगाई को काबू में करने के लिए दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों ने ब्याज दरों में कटौती कर रखी है, जिससे आम लोगों को बैंकों में पैसे रखने के बजाय सोने में निवेश करना ज्यादा फायदेमंद लगने लगा है। इस वजह से लोग सोना अधिक खरीदने लगे हैं। इसके अलावा, डालर की कीमत कम होने से भी विदेशी निवेशकों के लिए सोना खरीदना सस्ता हो गया है। फिर विभिन्न देशों में संघर्ष के चलते पैदा हुई आर्थिक अनिश्चितता के कारण कई देशों के केंद्रीय बैंकों ने भारी मात्रा में सोना खरीद कर जमा करना शुरू कर दिया है। बीते कुछ समय से सोने की मांग न केवल भारत में, बल्कि दुनिया भर में बढ़ी है। मगर इसके बरक्स सोने के खनन में कमी आई है। जब उत्पादन कम होता है और मांग बढ़ती है, तो वस्तुओं की कीमतें बढ़ती ही हैं। इसलिए यह अकारण नहीं है कि पिछले साढ़े तीन महीनों में ही सोने की कीमत में करीब छब्बीस फीसद की अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि सोने की कीमत में बढ़ोतरी का रुख अभी बना रहेगा और यह सवा लाख रुपए प्रति दस ग्राम तक पहुंच सकती है निस्संदेह इससे निवेशकों को तो लाभ होगा, मगर आम लोग जो शादी-विवाह के अवसर पर सोने की खरीद करते हैं, उनके सामने कठिन स्थिति पैदा हो गई है। इसके अर्थव्यवस्था पर भी नकारात्मक प्रभाव नजर आएंगे। जिस तरह पिछले दो वर्षों में सोना गिरवी रख कर कर्ज लेने का आंकड़ा हैरान करने वाली गति से बढ़ा है, आय के अवसर लगातार सिकुड़ते गए हैं, उसमें सोने की बढ़ती कीमत उन पर अतिरिक्त मार साबित होगी।

वायरल वीडियो के बाद गिरी गाजः महिला आरटीओ इंस्पेक्टर मुक्ता सोनी निलंबित, जयपुर मुख्यालय अटैच





24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, जयपुर/चित्तौड़गढ़ः चित्तौड़गढ़ के गंगरार टोल नाके पर 9 अप्रैल को एक ट्रक ड्राइवर के साथ बदसलूकी का वीडियो वायरल होने के बाद परिवहन विभाग ने आखिरकार सख्त कार्रवाई की है। आज, परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग, जयपुर ने महिला आरटीओ इंस्पेक्टर मुक्ता सोनी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि के दौरान उन्हें जयपुर मुख्यालय से अटैच किया गया है। यह कार्रवाई 9 अप्रैल को गंगरार टोल नाके के पास हुई उस घटना के संबंध में की गई है, जिसका वीडियो 10 अप्रैल को सार्वजनिक हुआ था। वीडियो में महिला आरटीओ इंस्पेक्टर मुक्ता सोनी, जो चित्तौड़गढ़ में तैनात थीं, एक ट्रक ड्राइवर, जिसकी पहचान उत्तर प्रदेश निवासी निजाम खां के रूप में हुई है, के बाल पकड़कर खींचती और उसे धक्का देती हुई स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थीं। इस वीडियो के वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने महिला इंस्पेक्टर के इस आपत्तिजनक व्यवहार की कड़ी आलोचना की थी और उनके खिलाफ तत्काल अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की थी। अपनी सफाई में महिला इंस्पेक्टर मुक्ता सोनी ने कहा था कि ट्रक ड्राइवर ने बीच सड़क पर वाहन खड़ा कर ट्रैफिक जाम कर दिया था और टोके जाने पर बदतमीजी की थी। हालांकि, विभाग ने उनके इस स्पष्टीकरण को पर्याप्त नहीं माना, खासकर इसलिए क्योंकि उन्होंने घटना के समय स्थानीय पुलिस को सूचित करने की बजाय खुद ही हस्तक्षेप किया, जो नियमों का उल्लंघन था। विभाग के अनुसार, ऐसी स्थिति में पुलिस को बुलाना अनिवार्य होता है। इसके विपरीत, इंस्पेक्टर सोनी ने अपने आरटीओ के ड्राइवर की मदद से स्वयं ही ट्रक ड्राइवर के साथ हाथापाई की। जिला परिषद की बैठक में भी इस मुद्दे पर नाराजगी जताई गई थी, जहां चार में से तीन विधायकों ने महिला अधिकारी के आचरण की निंदा की थी। विभाग के कुछ अधिकारियों ने भी नाम न छापने की शर्त पर बताया था कि वे पहले से ही मुक्ता सोनी के व्यवहार से परेशान थे, क्योंकि वह अक्सर मनमानी करती थीं और निर्देशों की अनदेखी करती थीं। जयपुर मुख्यालय में इस मामले की विस्तृत जांच चल रही थी, और आखिरकार मंगलवार, 22 अप्रैल को परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग ने अपना निर्णय सुनाते हुए मुक्ता सोनी को निलंबित कर दिया। निलंबन का आधिकारिक आदेश आज जारी किया गया है, जिसके अनुसार उनका निलंबन काल अब जयपुर मुख्यालय में रहेगा। विभाग अब इस मामले में आगे की विभागीय कार्रवाई भी कर सकता है। इस घटना ने सरकारी अधिकारियों के व्यवहार और कानून के पालन को लेकर एक महत्वपूर्ण सवाल खड़ा कर दिया है।

मुआवजा नहीं तो काम नहीं: डूंगरपुर-बांसवाड़ा रेल लाइन का काम किसानों ने रोका!



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, डूंगरपुर। डूंगरपुर से बांसवाड़ा के बीच निर्माणाधीन महत्वपूर्ण रेल लाइन परियोजना को आज उस समय बड़ा झटका लगा, जब नेजपुर गांव के किसानों ने एकजुट होकर काम रुकवा दिया। किसानों का यह कड़ा कदम जमीन अधिग्रहण के बदले उचित मुआवजे की मांग को लेकर उठाया गया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि जब तक उन्हें उनकी अधिग्रहित जमीन का मुआवजा नहीं मिल जाता, तब तक वे किसी भी कीमत पर काम आगे नहीं बढ़ने देंगे। बुधवार को, जब जेसीबी और डंपर जैसे भारी मशीनें नेजपुर गांव के पास रेल लाइन के लिए अपना कार्य कर रही थीं, तभी बड़ी संख्या में स्थानीय किसान मौके पर पहुंच गए। किसानों ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उन्हें अभी तक उनकी जमीन का मुआवजा नहीं मिला है। ऐसी स्थिति में, वे अपनी उपजाऊ भूमि पर बिना किसी भुगतान के निर्माण कार्य को जारी रखने की अनुमति नहीं दे सकते। किसानों ने निर्माण स्थल पर आकर विरोध प्रदर्शन किया और काम को तत्काल बंद करवा दिया। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि मुआवजे का पूरा भुगतान होने के बाद ही वे निर्माण कार्य को फिर से शुरू करने देंगे। किसानों के अनुसार, नेजपुर गांव के कुल 26 किसान ऐसे हैं जिन्हें अभी तक उनकी जमीन का मुआवजा नहीं मिला है। इन किसानों ने सरकार और स्थानीय प्रशासन से पुरजोर मांग की है कि उन्हें जल्द से जल्द उनका हक दिलाया जाए।

यह उल्लेखनीय है कि बांसवाड़ा जिला राजस्थान का एकमात्र ऐसा जिला है जो अभी तक रेल सेवा से नहीं जुड़ पाया है। इस कनेक्टिविटी को सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने डूंगरपुर से बांसवाड़ा और रतलाम को जोड़ने वाली 191 किलोमीटर लंबी रेल लाइन परियोजना शुरू की थी, जिसमें 143 किलोमीटर का हिस्सा राजस्थान में और 48 किलोमीटर का मध्य प्रदेश में है। यह महत्वाकांक्षी परियोजना 2018-19 में कुछ कारणों से रुक गई थी, लेकिन अगस्त 2024 में सरकार ने इसे फिर से शुरू किया, जिससे लोगों में उम्मीद जगी थी। हालांकि, मुआवजे की मांग को लेकर अब किसानों के विरोध ने परियोजना की प्रगति पर सवालिया निशान लगा दिया है। किसानों का स्पष्ट रुख दर्शाता है कि मुआवजा उनके लिए एक महत्वपूर्ण मुद्दा है और वे इसके लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। अब देखना यह होगा कि सरकार और प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाते हैं और कब तक किसानों की मांगों को पूरा करते हैं ताकि इस महत्वपूर्ण रेल लाइन परियोजना का कार्य निर्बाध रूप से आगे बढ़ सके।

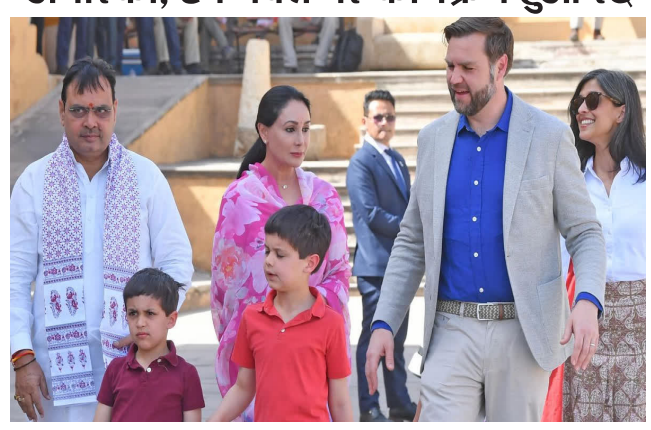
शादी की खुशियों से पहले मातमः बांसवाड़ा में दूल्हे के चाचा के घर लाखों की चोरी, 30 तोला सोना और 8 किलो चांदी गायब



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, बांसवाड़ाः बांसवाड़ा जिले के घाटोल कस्बे की गांधी बस्ती में उस समय मातम छा गया, जब एक परिवार भतीजे की शादी की तैयारियों में जुटा था और उनके घर पर लाखों रुपये की चोरी हो गई। चोरों ने बीती रात महिपाल सेठ और जीतमल सेठ के सूने मकान को निशाना बनाया, जहां 25 अप्रैल को शादी होनी है। चोरों ने बड़ी ही शातिरता से मकान का मुख्य दरवाजा तोड़ा और फिर ऊपरी मंजिल पर स्थित कमरे तक पहुंचे। कमरे में रखी तिजोरी, जिसमें बहुओं और बेटों की करीब 30 तोला सोने की ज्वेलरी, 8 किलो चांदी और 3 लाख रुपये नकद रखे हुए थे, का लॉक तोड़ दिया गया। इस चोरी की घटना का पता बुधवार सुबह तब चला, जब पड़ोसियों ने मकान का ताला टूटा हुआ देखा और तुरंत मकान मालिक महिपाल सेठ को सूचित किया। महिपाल सेठ तत्काल मौके पर पहुंचे और घर के अंदर का मंजर देखकर सन्न रह गए। कमरा पूरी तरह से अस्त-व्यस्त था और तिजोरी का लॉक टूटा हुआ था। कीमती जेवर और नकदी गायब थे। उन्होंने बिना देर किए घाटोल थाना पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद थानाधिकारी प्रवीण सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मौका मुआयना किया। पुलिस को घटनास्थल पर सीढ़ियों के पास कुछ नकदी, एक अंगूठी, झुमका और एक लोहे का औजार भी मिला है, जिसे चोर शायद जल्दबाजी में छोड़ गए थे। मकान मालिक की पत्नी, गुणमाला देवी, हाल ही में आंखों के ऑपरेशन के कारण पिछले दस दिनों से अपने बेटे के नए मकान में रह रही थीं। उन्होंने अपनी पुरानी हवेली, जो गांधी बस्ती के घनी आबादी वाले इलाके में स्थित है, को सुरक्षित मानकर अपनी बहुओं और बेटों की सारी ज्वेलरी और नकदी वहीं रखी थी। यह चोरी ऐसे समय में हुई है, जब परिवार में 25 अप्रैल को भतीजे की शादी की तैयारियां जोरों पर थीं। इस घटना से पूरे परिवार को गहरा सदमा पहुंचा है, क्योंकि चोरी हुई ज्वेलरी उनकी सास के पास रखी पीढ़ी दर पीढ़ी की संपत्ति थी। इस चोरी के कारण परिवार पर आर्थिक संकट आ गया है। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है, ताकि चोरों का कोई सुराग मिल सके। पुलिस ने परिवार को भरोसा दिलाया है कि वे जल्द ही इस वारदात का खुलासा कर देंगे और चोरों को पकड़ लेंगे।

वेंस फैमली सिटी पैलेस देखे बिना जाएगी अमेरिका, एन वक्त पर कार्यक्रम हुआ रद्द



24 न्यूज अपडेट

जयपुरः अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस सपरिवार चार दिन की भारत यात्रा पर हैं. बुधवार को उन्हें जयपुर के सिटी पैलेस जाना था. पीआईबी से मिली जानकारी के अनुसार, यह दौरा रद्द कर दिया गया है. आधिकारिक तौर पर दौरा रद्द करने का कोई कारण नहीं बताया गया है, लेकिन माना जा रहा है कि पहलगाम आतंकी हमले की वजह से यह फैसला लिया गया.

सिटी पैलेस में था लंच का कार्यक्रमः वेंस आगरा घूमकर सीधे जयपुर स्थित रामबाग होटल पहुंचे, जहां वे ठहरे हुए हैं. उनका बुधवार दोपहर ढाई बजे सिटी पैलेस घूमने का कार्यक्रम था. सिटी पैलेस जयपुर के पूर्व राजपरिवार का निवास स्थान भी है. यहां म्यूजियम भी है, जिसे देखने के लिए देश-दुनिया से काफी पर्यटक आते हैं. डिप्टी सीएम दीया कुमारी भी सिटी पैलेस में ही रहती हैं.

कार्यक्रम के अनुसार वैंस को सिटी पैलेस में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, वाणिज्य मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ के साथ बैठक भी करनी थी, लेकिन इसे भी रद्द कर दिया गया है. यहीं पर वे दोपहर का लंच भी करने वाले थे. हालांकि दौरा कैंसिल होने की वजह से उन्होंने रामबाग पैलेस में ही लंच किया और 24 अप्रैल की सुबह 6:30 बजे विशेष विमान से वाशिंगटन डीसी के लिए रवाना हो जाएंगे.

रद्द हो गई सांस्कृतिक संध्याः अमेरिकी उपराष्ट्रपति के स्वागत में राजस्थानी रंगों से सजी सांस्कृतिक संध्या का आयोजन भी रद्द कर दिया गया है. पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद देश भर में व्याप्त शोक की लहर के बीच, आयोजकों की ओर से इस बारे में जानकारी दी गई. इस कार्यक्रम के निर्देशक विनोद जोशी ने बताया कि देश के मौजूदा माहौल में पूरा देश एक साथ खड़ा है.

चित्तौड़गढ़ में राष्ट्रीय संगोष्ठी 27 अप्रैल को शताब्दी साहित्यकार श्रीलाल शुक्ल पर होगा आयोजन



24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़, 23 अप्रैल। साहित्य -संस्कृति के क्षेत्र में कार्यरत संस्था संभावना एवं हिंदी विभाग, महाराणा प्रताप राजकीय महाविद्यालय चित्तौड़गढ़ के संयुक्त तत्वावधान में 27 अप्रैल को राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। संगोष्ठी के संयोजक डॉ कनक जैन ने बताया कि महान उपन्यासकार श्रीलाल शुक्ल की जन्मशताब्दी के मौके पर यह आयोजन रखा गया है । 27 अप्रैल को आयोजित संगोष्ठी में चार विभिन्न सत्रों में श्री लाल शुक्ल की महत्वपूर्ण रचनाओं के जरिए कथा साहित्य एवं व्यंग्य के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण अवदान पर विद्वान वक्ता चर्चा करेंगे। आयोजन सचिव एवं हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ अखिलेश चास्टा ने जानकारी देते हुए बताया कि संगोष्ठी में विख्यात कवि एवं कथाकार प्रियदर्शन डॉ नलिन विकास, प्रोफेसर माधव हाड़ा, डॉ हिमांशु पंड्या, डॉ पल्लव, डॉ पूनम पांडे डॉ गजेंद्र मीणा ,प्रोफेसर सुरेश चंद्र राजौरा, डॉ राजेश चौधरी, पराग मांदले, डॉ सत्यनारायण व्यास, डॉ अनंत भटनागर, डॉ ललित श्रीमाली आदि प्रमुख साहित्यकार संगोष्ठी को संबोधित करेंगे। संगोष्ठी के दौरान श्रीलाल शुक्ल पर फिल्म प्रदर्शन एवं लघु पत्रिका प्रदर्शनी का आयोजन भी होगा। बुधवार को राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए तैयारी बैठक आयोजित हुई। बैठक में राष्ट्रीय संगोष्ठी के संरक्षक एवं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर हेमेंद्र नाथ व्यास, संभावना के अध्यक्ष लक्ष्मण व्यास सहित प्रो भारती मेहता, प्रो पीयूष शर्मा, विकास अग्रवाल, संतोष शर्मा,डॉ गोपाल जाट आदि ने आयोजन की तैयारियों पर चर्चा कर अंतिम रूप दिया।

उदयपुर में पुलिस गाडी को टक्कर मारकर भागा तस्करःपुलिस ने पीछा करके पकडा



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर की पानरवा थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है। तस्कर के पास से 745 किलोग्राम अवैध अफीम डोडा चूरा बरामद हुआ है। थानाधिकारी धनपत सिंह ने बताया कि खांचण पुलिया पर बिना नंबर की सफेद बोलेरो पिकअप को रोकने का प्रयास किया गया।

चालक ने पुलिस की गाड़ी को टक्कर मारते हुए भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने सजगता दिखाते हुए कुछ ही दूरी पर उसे पकड़ लिया। वाहन की तलाशी में प्लास्टिक के कट्टों में भरा डोडा चूरा मिला, जिसकी कीमत करीब 18 लाख रुपए आंकी गई है।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान बाड़मेर के कगाउ निवासी किशोर कुमार पुत्र रघुनाथराम के रूप में हुई है। पूछताछ में उसने बताया कि वह डोडा चूरा उदयपुर से बाड़मेर ले जा रहा था। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर तस्करी के नेटवर्क की जांच शुरू कर दी है।

रीट पेपर लीक सरगना की 1.23 करोड़ की प्रॉपर्टी सील:ED ने 1.3 हेक्टेयर जमीन कब्जे में ली, परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र अभ्यर्थियों तक पहुंचाए थे

24 न्यूज अपडेट

राजस्थान में करीब साढ़े तीन साल पहले (26 सितंबर 2021) हुए रीट पेपर लीक मामले में मुख्य सरगना की प्रॉपर्टी सील की गई है। मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने रामकृपाल मीणा की उसके गांव में 1.3 हेक्टेयर जमीन को कब्जे में लिया। इसकी कीमत DLC रेट के अनुसार करीब 1.23 करोड़ रुपए है। बाजार भाव 10 करोड़ के पार है। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (PMLA) के तहत की गई है। वर्तमान में रामकृपाल जेल में है।

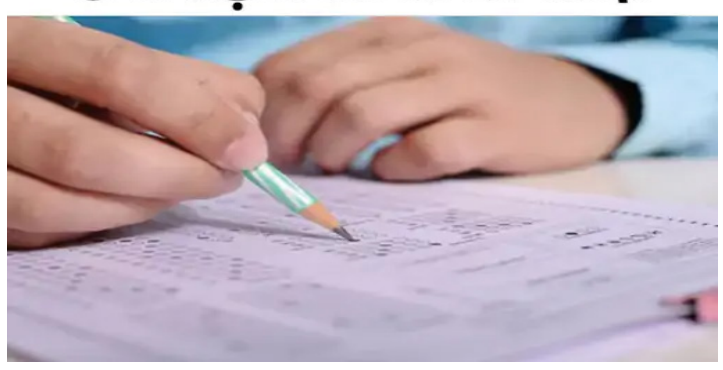
26.59 लाख की चल-अचल संपत्ति हो चुकी है कुर्क

मंगलवार को ED की टीम अलवर जिले के लक्ष्मणगढ़ तहसील के खोहरा गांव पहुंची। यहां पेपर लीक के मास्टरमाइंड रामकृपाल मीणा की जमीन पर अपना बोर्ड लगाया। करीब 7 महीने पहले भी ईडी ने पेपर लीक के मुख्य आरोपी प्रदीप पाराशर और रामकृपाल मीणा की प्रॉपर्टी की कुर्की की थी। इनके पास करीब 26.59 लाख रुपए की चल-अचल संपत्ति मिली थी। आरोप है कि काली कमाई से माफिया ने ये संपत्ति बनाई थी।

131 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है

SOG ने REET पेपर लीक मामले में अब तक मुख्य आरोपी रामकृपाल मीणा और प्रदीप पाराशर सहित 131 आरोपियों को अरेस्ट किया है। रामकृपाल की गिरफ्तारी के बाद SOG ने ED को कार्रवाई के लिए फाइल भेजी थी। ईडी ने सितम्बर 2024 में रामकृपाल और प्रदीप पाराशर के चार बैंक खातों को फ्रीज किए थे। इन खातों में करीब 10 लाख 89 हजार रुपए जमा हैं। फरवरी 2022 में रामकृपाल की गोपालपुरा बाइपास स्थित स्कूल और कॉलेज की तीन मंजिला बिल्डिंग को भी जेडीए ने गिरा दिया था।

5 करोड़ में किया था सौदा



पाराशर ने दिया था रामकृपाल को पेपर

पेपर लीक के मुख्य सरगना प्रदीप पाराशर को REET का जयपुर जिला कोर्डिनेटर बनाया गया था। जयपुर के स्ट्रॉन्ग रूम से पेपर लीक में प्रदीप पाराशर की भूमिका सामने आई थी। SOG ने प्रदीप पाराशर को 30 जनवरी 2022 को गिरफ्तार किया था। SOG जांच में सामने आया कि प्रदीप पाराशर के जरिए ही रामकृपाल मीणा को पेपर मिला था। इसने अपने नेटवर्क के जरिए कई अभ्यर्थियों को पेपर पढ़वाया था।

स्ट्रॉन्ग रूम से लीक हुआ था पेपर

एसओजी ने खुलासा किया था कि जयपुर शिक्षा संकुल के स्ट्रॉन्ग रूम से पेपर लीक हुआ था। इसी के बाद से राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष रहे डीपी जारौली और उनके दोस्त प्रदीप पाराशर दोनों शक के घेरे में आए थे। एसओजी की जांच में खुलासा हुआ था कि पेपर 1.25 करोड़ रुपए में बेचा गया।

पेपर स्ट्रॉन्ग रूम से निकालकर कोचिंग संचालकों और नकल गिरोह तक पहुंचाया गया। यह भी सामने आया कि J-सीरीज का पेपर स्ट्रॉन्ग रूम से लीक किया गया और अलग-अलग सेंटर पर बांटा गया। पेपर जयपुर, जालोर, सिरोही, टोंक, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, दौसा, करौली सहित कई जगहों पर पहुंचाया गया। नकल गिरोह ने परीक्षा से पहले करीब 50 सेंटर पर पेपर पहुंचाया था।

प्रदेश में गुमशुदा व्यक्तियों की तलाश जारी

12 जिलों से 21 व्यक्ति लापता, इनमें एक बालक, तीन बालिकाएं, नौ महिला व सात पुरुष शामिल



24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 23 अप्रेल। राजस्थान पुलिस प्रदेश से गुमशुदा व्यक्तियों की निरन्तर तलाश कर रही है। प्रदेश के सवाई माधोपुर जिले से एक बालक, दौसा जिले से दो महिला एवं एक पुरुष, भरतपुर जिले से दो पुरूष, कोटपुतली बहरोड जिले से एक बालिका एवं एक पुरूष, अलवर जिले से एक बालिका, चुरू जिले से एक पुरूष, बाडमेर जिले से एक महिला, सिरोही जिले से एक बालिका, जयपुर ग्रामीण जिले से एक बालक, झुन्झुनु जिले से एक पुरूष तथा हनुमानगढ जिले से एक पुरूष तथा छ महिलाएं कुल 21 व्यक्ति अलग-अलग तारीख से लापता है। किसी को इनके बारे में कोई भी जानकारी हो तो कृपया तुरन्त जिला कंट्रोल रूम एवं संबंधित थाने पर सूचित करें।

सवाई माधोपुर जिले के पुलिस थाना कोतवाली गंगापुरसिटी क्षेत्र से 4 वर्षीय बालक खुशीराम पुत्र धर्मेन्द्र माली निवासी गंगाजी कोठी गंगापुरसिटी, कद 2.6 फीट, रंग गेहुंआ, पहचान लाल कलर की टीशर्ट एवं पायजामा पहन रखा है, लापता है, जिनकी गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज है।

दौसा जिले के थाना बांदीकुई क्षेत्र से पुष्पा शर्मा पत्नी अनिल कुमार (45) निवासी नन्देश, कद 3.6 फीट, रंग सांवला, थाना मानपुर क्षेत्र से प्रिया कुमारी पुत्री राजेश माली (19) निवासी कुण्डेरा डूंगर, कद 5.6 फीट, रंग गेहुंआ, थाना मेहन्दीपुर बालाजी क्षेत्र से ओमप्रकाश पुत्र रामफेर पटेल (35) निवासी मेहन्दीपुर बालाजी, लापता है, जिनकी गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज है।

भरतपुर जिले के थाना लखनपुर क्षेत्र से मोहन सिंह पुत्र रामशरण जाटव (70) निवासी पहरसर, कद 5.5 फीट, रंग सांवला, पहचान सफेद धोती व कमीज पहन हुए है, थाना कोतवाली क्षेत्र से विक्की उर्फ अमन पुत्र मुकेश खण्डेलवाल (35) निवासी कुन्देर गेट प्रभु सट्टे वाली गली, कद 5.6 फीट, रंग गोरा, लापता है, जिनकी गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज है।

कोटपुतली बहरोड जिले के थाना हरसौरा क्षेत्र से सपना पुत्री मुकेश मेघवाल (15) निवासी मुगलपुर, कद 5.3 फीट, रंग गेहुंआ, थाना हरसौरा क्षेत्र से आरोपी संदीप गुर्जर (22), कद 5.7 फिट व रंग सांवला पर सपना को भगाने का आरोप है, दोनों लापता है, जिनकी गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज है।

अलवर जिले के पुलिस थाना रैणी क्षेत्र से सीमा पुत्री उदयराम प्रजापत (17) निवासी पाली रैणी अलवर, कद 5 फिट, रंग सांवला लापता है, जिसकी गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज है।

चुरू जिले के थाना हमीरबास क्षेत्र से प्रताप सिंह पुत्र रामसिंह जाट (60) निवासी कालरी बडी, पहचान एक हाथ कटा हुआ है लापता है, जिसकी गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज है।

बाडमेर जिले के थाना बखासर क्षेत्र से वीरो देवी पत्नी पपूराम (26) निवासी बोली, कद 5 फीट, रंग गोरा, लापता है, जिसकी गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज है।

सिरोही जिले के पुलिस थाना भण्डार क्षेत्र से कविता पुत्री कानाराम (15) निवासी बडेची, हाल भंडार सिरोही, कद 4.5 फिट, रंग गेहुंआ, पहचान पूरी बांह का शर्ट व जिंस पेंट पहने हुए, लापता है, जिसकी गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज है।

जयपुर ग्रामीण जिले के थाना चन्दवाजी क्षेत्र से कनिष्क पुत्र दमन सिंह (17) निवासी बीकाहेडी थाना कोटकासिम जिला खैरथल तिजारा, कद 6 फीट, रंग गोरा लापता है, जिसकी गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज है।

झुन्झुनु जिले के थाना बुहाना क्षेत्र से पंकज पुत्र बसंत कुमार (30) निवासी बडबर, कद 5.7 फीट, रंग गौरा, लापता है, जिसकी गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज है।

हनुमानगढ जिले के थाना टाउन क्षेत्र से कामना पुत्री राजेन्द्र कुम्हार (21) निवासी वार्ड नम्बर 9 नन्दराम की ढाणी, कद 5 फिट, रंग गोरा, पहचान सलवार सूट पहने है, थाना हनुमानगढ टाउन क्षेत्र से अनुप्रिया पुत्री कृष्ण लाल कुम्हार (28) निवासी वार्ड नं 2 चक 20 एचएमएच रामसरा नारायण, पहचान सलवार सूट पहने हुए है, थाना गोगामेडी क्षेत्र से रोहताश कुमार पुत्र कृष्ण लाल जाट (35) निवासी नुंआ, रंग गेहुंआ, थाना पीलीबंगा क्षेत्र से सुनिता पुत्री दुलीचन्द (22) निवासी वार्ड नं 34 रावतसर, कद 5 फीट, रंग गोरा, पहचान हरे रंग का सलवार सूट पहने है, थाना गोलूवाला क्षेत्र से सरोज रानी पुत्री मोहन लाल भाट (26), कद 5 फिट व रंग गोरा, थाना भिरानी क्षेत्र से पुजा पुत्री नवाब मेघवाल(21) निवासी शेरदा, रंग गेहुंआ, थाना भादरा क्षेत्र से समेस्ता पुत्री कृष्ण लाल कुम्हार(21) निवासी डुंगराना, रंग गेहुँआ लापता है, जिनकी गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज है।

अमेरिकी राष्ट्रपति के अफसरों ने सीएम-राज्यपाल को रोका था:जयपुर के सरपंच-वार्ड पंचों ने ठुकरा दिया था क्लिंटन का गिफ्ट; सुरक्षा घेरा तोड़ ग्रामीणों से मिले



24 न्यूज अपडेट

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड वेंस 21 अप्रैल से चार दिन के जयपुर दौरे पर हैं। 22 अप्रैल को वेंस ने आमेर महल देखने के बाद जयपुर में बिजनस समिट को संबोधित किया। जेडी वेंस की यात्रा को देखकर आज से 25 साल पहले (23 मार्च 2020) तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की जयपुर यात्रा याद आ रही है। वे जयपुर में दो दिन रुके थे।

क्लिंटन और वेंस की यात्रा के बाद जयपुर से लेकर दिल्ली और वॉशिंगटन में बहुत कुछ बदला है। क्लिंटन की यात्रा को याद करने के पीछे उस समय की कई घटनाएं भी हैं। जेडी वेंस ऐसे वक्त पर जयपुर दौरे पर हैं जब अमेरिकी टैरिफ और ट्रेड वॉर की आशंका को लेकर विवाद चल रहा है। क्लिंटन की यात्रा के वैश्विक सीन अलग तरह का था।

क्लिंटन की 25 साल पुरानी यात्रा को इसलिए भी याद किया जाता है कि इसी दौरे के बाद ई-मित्र की शुरुआत हुई। इस दौरे के दौरान सुरक्षा के लिहाज से भी इतनी सख्ती थी कि सीएम अशोक गहलोत और राज्यपाल तक को रोक दिया था।

क्लिंटन के हाथों हुई पंचायतों को इंटरनेट से जोड़ने की शुरुआत

क्लिंटन ने जयपुर से करीब 26 किमी दूर नायला में राजस्थान के पहले सूचना कियोस्क का लोकार्पण किया था। यहीं से ई मित्र की शुरुआत हुई थी । इसके बाद सरकार ने सभी ग्राम पंचायतों को इंटरनेट से जोड़ा था। राज्य की पहली आईटी नीति-2000 भी इसी साल लागू हुई थी। पंचायतों को ऑनलाइन सुविधा से जोड़ने के इस लोकार्पण के बाद ही प्रदेश के गांव-गांव में ई मित्र कियोस्क खोले गए थे। बाद में सरकारी प्रोजेक्ट के तहत हर पंचायत को इंटरनेट से जोड़ा गया।

नायला पंचायत में क्लिंटन ने सिक्योरिटी घेरा तोड़कर लोगों के साथ डांस किया था

क्लिंटन ने नायला ग्राम पंचायत की बैठक के बाद धोबलाई दुग्ध समिति की महिला सदस्यों से चर्चा की थी। क्लिंटन ने दूध उत्पादन से जुड़े प्रोसेस पर महिलाओं से जानकारी ली थी। इसके बाद क्लिंटन सिक्योरिटी का घेरा तोड़कर लोगों के बीच चले गए थे। इस दौरान उन्होंने लोगों से हाथ भी मिलाया था। क्लिंटन के अचानक जनता के बीच चले जाने से अमेरिकी सिक्योरिटी एजेंसियों के अफसरों को भी मशक्कत करनी पड़ी थी। क्लिंटन का नायला दौरा अब तक चर्चा में रहता है।

अंतिम संस्कार के धुएं का कहर, मधुमक्खियों का जानलेवा हमला, मच्छरदानियों के सुरक्षा चक्र में हुई विदाई!



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, जोधपुरः जोधपुर के ओसियां के पास खिंदाकोर देवराज नगर में बुधवार सुबह एक मार्मिक और भयावह घटना घटी। जहां एक ओर गांव एक युवा की असामयिक मृत्यु के शोक में डूबा था, वहीं दूसरी ओर अंतिम संस्कार के दौरान प्रकृति का अप्रत्याशित प्रकोप देखने को मिला। मृतक देवीसिंह (21), जिसकी मौत गर्मी के कारण हुई थी, के अंतिम संस्कार के लिए जब ग्रामीण श्मशान घाट पहुंचे, तो वहां से उठे धुएं ने पास ही के मधुमक्खियों के छत्ते को उत्तेजित कर दिया। देखते ही देखते, शांतिपूर्ण माहौल चीखों और भगदड़ में बदल गया। धुएं से बौखलाई मधुमक्खियों के झुंड ने अंतिम संस्कार में शामिल लोगों पर धावा बोल दिया। श्मशान घाट पर अफरा-तफरी मच गई, और लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। इस अप्रत्याशित हमले में कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस संकट की घड़ी में, कुछ ग्रामीणों ने अपनी सूझबूझ और साहस का परिचय दिया। उन्होंने मधुमक्खियों के हमले से बचने के लिए मच्छरदानियों और पॉलिथीन शीट का सहारा लिया। जो लोग पास के बाबा रामदेव मंदिर में शरण लेने में कामयाब रहे, वहां मौजूद नर्सिंगकर्मी अशोक ने तुरंत मच्छरदानियां उपलब्ध कराईं, जिसके घेरे में रहकर लोगों ने खुद को बचाया। इस खौफनाक हमले में धनेसिह राठौड़, हरिसिंह राठौड़, आईदानसिंह भाटी समेत कई ग्रामीणों को मधुमक्खियों ने बुरी तरह काटा, जिसके कारण उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाना पड़ा। श्मशान घाट पर लगभग दो घंटे तक अराजकता का माहौल बना रहा, जब तक कि मधुमक्खियों का झुंड शांत नहीं हो गया। दो घंटे की दहशत के बाद, जब स्थिति कुछ सामान्य हुई, तो ग्रामीणों ने हिम्मत जुटाकर वापस श्मशान घाट पहुंचे और मृतक देवीसिंह के शव के पास कुछ दूरी पर अंत्येष्टि की व्यवस्था की। भारी मन और डर के साए में आखिरकार युवा देवीसिंह का अंतिम संस्कार संपन्न हुआ।

वैराग्य की छह वीरांगनाएं: अजमेर में छह बहनों ने एक साथ ली दीक्षा, तपकल्याणक महोत्सव में त्याग और संयम की अनुपम गाथा



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, अजमेरः अजमेर के श्री जिनशासन तीर्थ क्षेत्र में चल रहे पंचकल्याणक महोत्सव के चौथे दिन एक अद्भुत दृश्य देखने को मिला, जब जैसवाल जैन समाज की छह बेटियों ने एक साथ सांसारिक मोह-माया त्यागकर साध्वी जीवन अंगीकार किया। तपकल्याणक के इस पावन अवसर पर 41 साधु-साध्वियों के सानिध्य में इन छह बहनों का दीक्षा ग्रहण करना त्याग और संयम की एक अनुपम गाथा बन गया। प्रातःकाल भक्तिमय वातावरण में भगवान जिनेन्द्र देव का अभिषेक और पूजन संपन्न हुआ। इसके पश्चात तपकल्याणक की महत्वपूर्ण क्रियाएं हुईं, जिनमें भगवान के पूर्व जन्मों की तपस्या का स्मरण किया गया। इस पवित्र बेला का मुख्य आकर्षण रहीं वे छह बहनें, जिन्होंने वैराग्य के मार्ग पर दृढ़ संकल्पित होकर कदम बढ़ाया। इन छह दीक्षार्थी बहनों के सांसारिक वस्त्रों को विधिपूर्वक उतारा गया, जो उनके नवीन आध्यात्मिक जीवन की शुरुआत का प्रतीक था। जैनाचार्य वसुनंदी महाराज ने इन बहनों को दीक्षा प्रदान कर उन्हें जैन साध्वी संघ में दीक्षित किया। इस त्याग और समर्पण के भावुक क्षण के साक्षी हजारों श्रद्धालु बने, जिनकी आंखों में श्रद्धा और सम्मान का भाव स्पष्ट झलक रहा था। इस अवसर पर राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने भी तीर्थ क्षेत्र पहुंचकर अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उन्होंने जैनाचार्य वसुनंदी महाराज से आशीर्वाद लिया और छह दीक्षार्थी बहनों के वैराग्य के मार्ग पर चलने के संकल्प की सराहना की। श्रीसंघ की ओर से उनका अभिनंदन किया गया। अपने संबोधन में देवनानी ने कहा कि जैन धर्म का त्याग और तपस्या का मार्ग ही सच्ची शांति और मुक्ति की ओर ले जाता है। उन्होंने दीक्षा लेने वाली बहनों के साहस और दृढ़ निश्चय की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका यह कदम समाज के लिए प्रेरणादायक है। जैन धर्म में दीक्षा सांसारिक आसक्तियों से मुक्ति और आत्म-अनुशासन के जीवन की शुरुआत है। दीक्षा लेने वाले साधु-साध्वी कठोर नियमों का पालन करते हुए आत्मा के कल्याण के लिए तपस्या करते हैं। छह बहनों का एक साथ दीक्षा लेना इस बात का प्रतीक है कि आज भी युवा पीढ़ी में धर्म और त्याग के प्रति गहरी आस्था विद्यमान है। महोत्सव के आगामी दिनों में भी विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें भगवान आदिनाथ का प्रथम आहार, प्राण प्रतिष्ठा, केवल ज्ञानोत्पत्ति और समवसरण रचना जैसे महत्वपूर्ण अनुष्ठान शामिल हैं। 25 तारीख को यह भव्य पंचकल्याणक महोत्सव संपन्न होगा, जो त्याग, तपस्या और अहिंसा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता रहेगा। आज छह बहनों का दीक्षा ग्रहण करना इस महोत्सव का एक अविस्मरणीय क्षण बन गया, जो त्याग और वैराग्य की महिमा को युगों-युगों तक याद दिलाता रहेगा।

जेईई एडवांस्ड 2025 : ऑनलाइन आवेदन शुरू, कैटेगरी भरते समय नहीं करें यह गलती



24 न्यूज अपडेट

कोटाः जेईई एडवांस्ड 2025 के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया बुधवार सुबह 10 बजे से शुरू हो गई. इसमें कैटेगरी सर्टिफिकेट्स व अंडरटेकिंग्स को लेकर कैंडिडेट को विशेष सावधानी बरतनी होगी. ऑनलाइन आवेदन से पहले कैंडिडेट व पेरेंट्स फ्रिक्वेंटली आस्कड क्वेश्चंस (FAQ) जरूर पढ़ लें. एजुकेशन एक्सपर्ट देव शर्मा ने बताया कि कई कैंडिडेट जेईई-मेन फॉर्म फिलिंग के दौरान कैटेगरी भूलवश ओबीसी एनसीएल भर दी, लेकिन वे वास्तविकता में ओबीसी-एनसीएल कैटेगरी से नहीं हैं. ऐसी स्थिति में कैंडिडेट पर्सेंटाइल जनरल कटऑफ से अधिक है, तो वे एक डिक्लेरेशन के साथ जनरल केटेगरी से जेईई एडवांस्ड 2025 का ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. पर्सेंटाइल जनरल कटऑफ से कम है तो कैंडिडेट जेईई एडवांस्ड 2025 के आवेदन के पात्र नहीं है. ऑनलाइन आवेदन 2 मई तक जारी रहेगी.

जेईई एडवांस्ड 2025 की परीक्षा इस बार इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (IIT) कानपुर करवाने जा रही है. परीक्षा 18 मई को दो शिफ्ट में आयोजित होनी है. जेईई मेन परीक्षा से 250236 एडवांस्ड के लिए क्वालीफाई हुए हैं. ऐसे में इस बार भी माना जा रहा है कि करीब 1.9 लाख कैंडिडेट ही आवेदन करेंगे.

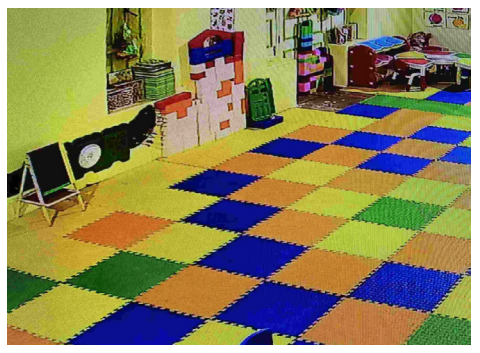
पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में उदयपुर बार एसोसिएशन का प्रदर्शन, वकीलों ने यह कह दी बड़ी बात



24 न्यूज अपडेट

उदयपुरः जम्मू कश्मीर के पहलगाम ने हुई आतंकी हमले को लेकर उदयपुर की बार एसोसिएशन के बैनर तले वकीलों ने जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया. हमले में मारे गए पर्यटकों को श्रद्धांजलि दी. वकील कोर्ट परिसर से रैली के रूप में निकले और देहली गेट चौराहे पहुंचे. वकीलों ने मानव श्रृंखला बनाते हुए चौराहा जाम कर दिया व नारेबाजी की. इसके बाद कलेक्ट्री के बाहर एकत्र होकर प्रदर्शन किया. जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा और आतंकियों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की.अधिवक्ताओं ने मीडिया से कहा कि जिस तरह से पर्यटकों पर आतंकी हमला हुआ है, उससे पूरे देश में आक्रोश है. बार एसोसिएशन के अध्यक्ष चंद्रभान सिंह शक्तावत ने कहा कि गुनाहगारों को उनके गुनाहों की कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए. इससे पहले कलेक्ट्री के बाहर जमकर नारेबाजी की गई. उन्होंने कहा कि पहलगाम में आतंकियों ने कायराना हरकत की. बार एसोसिएशन उदयपुर ने घटना के विरोध में कार्य बहिष्कार किया. साथ ही कहा कि जब तक आरोपियों को उनके गुनाहों की सजा नहीं मिलेगी, तब तक काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराया जाएगा. कलेक्टर के नाम राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा, जिसमें आतंकियों की सफाई नहीं होने तक जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की.गौरतलब है कि पहलगाम में आतंकी हमले के विरोध में देश भर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं. यहां बताते चलें कि जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम में मंगलवार को आतंकियों ने प्रमुख पर्यटन स्थल पर पर्यटकों पर गोलीबारी की. इसमें दो विदेशी समेत 26 पर्यटकों की मौत की खबर है. हमले में कई पर्यटक घायल हैं.

चार वर्षीय बालक के साथ स्कूल में बर्बरता, प्रिंसिपल गिरफ्तार, शिक्षा मंत्री ने दिए कड़ी कार्रवाई के निर्देश



24 न्यूज अपडेट

प्रतापगढ़ः शहर के एक निजी स्कूल आर्यकुल शिक्षण संस्थान में मासूम बालक के साथ वहां की प्रिंसिपल ने गत दिनों बर्बर व्यवहार किया. बालक के पिता की शिकायत के बाद स्कूल की प्रिंसिपल को गिरफ्तार कर लिया गया है. चार वर्षीय बच्चे को स्कूल में थप्पड़ मारी गई. पैर बांधकर क्लासरूम में घंटों बिठाया गया. इससे बालक मानसिक व शारीरिक रूप से कमजोर रहने लगा.
बालक की मां को इसका आभास हुआ तो उन्होंने स्कूल जाकर पड़ताल की. वहां चौंकाने वाले तथ्य सामने आए. इसके बाद मामला दर्ज करवाया गया. स्कूल में लगे सीसीटीवी फुटेज में स्कूल की प्रिंसिपल निर्मला कंवर खुद बच्चे को पीटते हुए नजर आईं.
पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार बंसल ने बताया कि बच्चे के पिता ने 22 मार्च को प्रतापगढ़ कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी. उन्होंने शिकायत में बताया था कि स्कूल में उनके बेटे के साथ मारपीट और अमानवीय व्यवहार किया गया. बालक अनुसूचित जाति से संबंधित है. इसके चलते पुलिस ने एससी/एसटी एक्ट व जेजे एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर डिप्टी एसपी को जांच सौंपी.
सीसीटीवी फुटेज के आधार पर 20 अप्रैल को प्रिंसिपल को गिरफ्तार किया गया. पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मामले में यदि स्कूल स्टाफ या प्रबंधन का कोई और व्यक्ति लिप्त पाया गया, तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी.
शिक्षा मंत्री ने दिए जांच के आदेशः इस मामले में राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने जिला शिक्षा अधिकारी महेश चंद आमेटा को निर्देश दिए कि स्कूल के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए. डीईओ की टीम ने मौके पर जाकर स्कूल की जांच की और रिपोर्ट तैयार की. डीईओ का कहना है कि स्कूल प्रबंधन ने इस घटना को छुपाने की कोशिश की, जिससे समय पर जानकारी नहीं मिल पाई. शिक्षा विभाग ने आश्वस्त किया है कि इस मामले में नियमों के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी.

भीलवाड़ा मंदिर में खूनी तांडवः सीसीटीवी में कैद हुई बुजुर्ग गार्ड की बर्बर हत्या, सिर और गुप्तांगों पर किए गए अनगिनत वार, आरोपी शव के पास बैठा रहा - पुलिस जांच में जुटी!



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट भीलवाड़ा। सुभाष नगर के अय्यपा मंदिर में मंगलवार रात को हुए सनसनीखेज हत्याकांड में नए तथ्य सामने आए हैं। मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज ने इस नृशंस वारदात की पूरी कहानी बयां कर दी है। फुटेज में आरोपी दीपक नायर साफ तौर पर बुजुर्ग गार्ड लाल सिंह रावणा पर हमला करते हुए दिख रहा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, दीपक रात करीब दो बजे मंदिर परिसर में दाखिल हुआ। उसने पहले गार्ड के कमरे के बाहर आवाज लगाई, और जैसे ही लाल सिंह बाहर आए, दीपक ने उन पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। शुरुआती पांच मिनट तक वह बुजुर्ग को लात-घूंसों से मारता रहा, जिसके बाद उसने पास ही रखे एक भारी और धारदार हथियार से लाल सिंह पर कम से कम बीस वार किए। जांच में यह भी पता चला है कि आरोपी ने लाल सिंह के सिर और गुप्तांगों पर कई गहरे घाव किए, जिससे उनकी तत्काल मौत हो गई। चौंकाने वाली बात यह है कि हत्या के बाद दीपक मंदिर परिसर में ही रहा और मृतक के शव के पास बैठा रहा, मानो उसे अपने किए पर कोई पछतावा न हो। डीएसपी श्याम सुंदर बिश्नोई ने बताया कि आरोपी दीपक नायर प्रताप नगर थाना क्षेत्र का रहने वाला है और उसका आपराधिक इतिहास रहा है। पुलिस उसे आदतन अपराधी और मानसिक रूप से अस्थिर मान रही है, क्योंकि उस पर पहले भी कई मामले दर्ज हैं। उसे घटना के एक घंटे के भीतर ही हिरासत में ले लिया गया था। हालांकि, लाल सिंह की हत्या के पीछे का सटीक कारण अभी भी अज्ञात है। पुलिस ने मंदिर के अन्य कर्मचारियों और आसपास के लोगों से भी पूछताछ शुरू कर दी है ताकि हत्या के motive का पता लगाया जा सके। मृतक लाल सिंह रावणा के शव का पोस्टमार्टम महात्मा गांधी हॉस्पिटल में किया जा रहा है, जिसकी रिपोर्ट से कई अहम खुलासे होने की उम्मीद है। इस सनसनीखेज हत्याकांड ने भीलवाड़ा में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है, और पुलिस पर जल्द से जल्द इस मामले की तह तक पहुंचने का दबाव बढ़ गया है। सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद, पुलिस को उम्मीद है कि जांच सही दिशा में आगे बढ़ेगी और हत्या के पीछे की सच्चाई सामने आ सकेगी।

'हरियालो राजस्थान' के तहत वृक्षारोपण की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित - इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, जयपुर। वन,पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती अपर्णा अरोरा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'एक पेड़ माँ के नाम'अभियान से प्रेरणा लेते हुए मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में 'हरियालों राजस्थान'अभियान की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य राज्य को हरित, स्वच्छ और जलवायु अनुकूल बनाना है। उन्होंने बताया कि अभियान के अंतर्गत इस वित्तीय वर्ष में 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। अरोरा बुधवार को शासन सचिवालय में 'हरियालों राजस्थान'के तहत इस वर्ष किये जाने वाले वृक्षारोपण के कार्यों की तैयारियों के सम्बन्ध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रही थी। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि वर्षा ऋतु से पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली जाएं,ताकि वृक्षारोपण के कार्य समयबद्ध एवं सफलता पूर्वक संपन्न हो सके। उन्होंने कहा कि पौधारोपण को केवल एक लक्ष्य की पूर्ति न मानते हुए, प्रत्येक पौधे को वृक्ष बनने तक संरक्षण देने की जिम्मेदारी के साथ काम करें।

जियो-टैगिंग से सुनिश्चित होगी निगरानी

उन्होंने कहा कि 'हरियालो राजस्थान'मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से लगाए गए प्रत्येक पौधे की जियो-टैगिंग की जाएगी,जिससे उनकी निगरानी और सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी। उन्होंने निर्देश दिए कि संबंधित विभागों के नोडल अधिकारी समय रहते इस एप्लिकेशन का प्रशिक्षण प्राप्त करें। नवाचार और तकनीक का हो अधिकतम उपयोग वन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि इस अभियान को नवाचार, आधुनिक तकनीकों और जनसहभागिता के माध्यम से जनांदोलन बनाया जाए। नदियों के किनारों, औद्योगिक क्षेत्रों में अपशिष्ट जल के आसपास, विद्यालयों, अस्पतालों तथा नगरीय क्षेत्रों में वृक्षारोपण को प्राथमिकता दी जाए।

क्षेत्रीय अनुकूलता के अनुसार पौधों का चयन

उन्होंने कहा कि क्षेत्रवार जलवायु और मिट्टी की अनुकूलता को ध्यान में रखते हुए जीवित रहने की अधिक संभावना वाले पौधों का चयन किया जाए। साथ ही, पौधों की उपलब्धता समय पर सुनिश्चित करने के लिए नर्सरियों को भी अग्रिम रूप से तैयार किया जाए। बैठक में बताया गया कि इस अभियान को जनसामान्य से जोड़ते हुए सामाजिक संगठनों, शैक्षणिक संस्थाओं और स्वयंसेवी संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी, ताकि यह महज एक सरकारी कार्यक्रम न रहकर जनांदोलन बने। बैठक में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, स्वायत्त शासन, कृषि एवं उद्यानिकी, शिक्षा, सार्वजनिक निर्माण,चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, राजस्व, खान,पुलिस, सेना, उद्योग,वन, एनएचएआई, जल ग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

"शंकर डांगी हत्याकांडः फांसी की मांग को लेकर कलेक्ट्री पर गरजा डांगी समाज, पीड़िता को न्याय और सुरक्षा की पुकार"



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर के उदयसागर झील पार्क में हुई शंकर डांगी की नृशंस हत्या के खिलाफ जनाक्रोश फूट पड़ा है। समाज के सैकड़ों लोगों ने बुधवार को जिला कलेक्ट्री के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया और हत्यारों को फांसी की सजा देने की मांग करते हुए नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने मृतक की पत्नी को सुरक्षा देने, उसके भरण-पोषण के लिए सरकारी नौकरी उपलब्ध करवाने और मामले में फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से सुनवाई की अपील की। इस मौके पर बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल रहीं, जिन्होंने न्याय की मांग को लेकर बुलंद आवाज में अपनी बात रखी। अधिवक्ता मानाराम डांगी ने बताया कि शंकर डांगी की हत्या के बाद आरोपी जगदीश व मांगीलाल फरार हो गए थे, लेकिन पुलिस ने सराहनीय कार्य करते हुए 48 घंटों के भीतर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, पीड़िता और उसकी तीन साल की मासूम बेटी आज भी असुरक्षित हैं। शंकर डांगी के माता-पिता का देहांत हो चुका है और परिवार में अब कोई सहारा देने वाला नहीं बचा। डांगी समाज के प्रतिनिधियों ने सरकार से मांग की है कि पीड़िता को न केवल सुरक्षा दी जाए, बल्कि आजीविका के लिए सरकारी नौकरी भी उपलब्ध करवाई जाए। साथ ही, समाज का आरोप है कि घटना में शामिल अन्य षड्यंत्रकारी अभी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। ऐसे में गहन जांच कर सभी दोषियों की गिरफ्तारी की जानी चाहिए।

प्रमुख मांगें:

हत्यारों को फांसी की सजा
पीड़िता को तत्काल सुरक्षा
भरण-पोषण के लिए सरकारी नौकरी
फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई
सभी षड्यंत्रकारियों की गिरफ्तारी

टेंट सज गए, खाना पक चुका था... पर उम्र की गिनती ने रुकवा दी शादी, बेडवास में प्रशासन ने दो नाबालिगों का बाल विवाह रोका, मौके पर पहुंची चाइल्ड हेल्पलाइन और पुलिस टीम



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट,उदयपुर | उदयपुर जिले के बेडवास क्षेत्र में मंगलवार को उस वक्त हड़कंप मच गया जब जिला प्रशासन, बाल अधिकारिता विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने एक बाल विवाह की सूचना पर दबिश देकर दो नाबालिग बच्चों का विवाह रुकवाया। विवाह की सारी तैयारियां पूरी थीं – टेंट लगा था, मेहमान आ चुके थे और रसोई से खुशबू उड़ रही थी – मगर फिर दस्तावेजों की उम्र सामने आई और पूरा 'शादी समारोह' कानूनी चेतावनी में तब्दील हो गया। यह कार्यवाही जिला कलक्टर नमित मेहता के निर्देशन में गठित बाल विवाह नियंत्रण तंत्र के तहत हुई। कलक्टर कार्यालय में स्थापित बाल विवाह नियंत्रण कक्ष एवं चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर सूचना प्राप्त होते ही सहायक निदेशक के.के. चंद्रवंशी ने त्वरित एक्शन लेते हुए टीम गठित की। सूचना के अनुसार, बेडवास गांव में 22 अप्रैल को एक नाबालिग बालिका (उम्र 17 वर्ष) और दो नाबालिग बालकों (उम्र 16 व 18 वर्ष) की शादी करवाई जा रही थी। मौके पर पहुंची टीम में शामिल थेः चाइल्ड हेल्पलाइन समन्वयक नवनीत ओदिच्य, टीम सदस्य महेंद्र सिंह राजपूत, प्रदीप मेघवाल, पटवारी आशीष कुमार, प्रतापनगर थाने से एएसआई पर्वत सिंह, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष यशोदा पणिया और सदस्य अंकुर टांक। परिवार की ओर से टालमटोल, टीम ने उठाए सवाल टीम ने जब मौके पर पूछताछ शुरू की तो शुरुआत में परिवार की ओर से टालमटोल की गई और शादी की बात से इनकार किया गया। लेकिन विवाह स्थल पर टेंट, सजावट, भोजन की व्यवस्था और मौजूद रिश्तेदारों ने तस्वीर साफ कर दी। दूल्हा-दुल्हन के दस्तावेज जांचे गए तो बालिका नाबालिग पाई गई और दोनों बालकों की उम्र भी कानूनन विवाह योग्य नहीं थी। इस पर परिजनों को तुरंत पाबंद किया गया और चेताया गया कि यदि भविष्य में इस विवाह को चोरी-छुपे अंजाम देने का प्रयास हुआ, तो बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के तहत सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

"बाल विवाह अपराध है, संस्कार नहीं" – प्रशासन की चेतावनी

सहायक निदेशक के.के. चंद्रवंशी ने बताया कि यह केवल एक कानूनी कार्रवाई नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता का प्रयास है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह सामाजिक कुरीति है और इससे बच्चों के भविष्य पर गहरा असर पड़ता है। उन्होंने आमजन से अपील की कि यदि कहीं भी बाल विवाह की सूचना मिले तो तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर सूचित करें। उन्होंने स्पष्ट किया, "अगर उम्र की सीमा पार नहीं हुई है, तो शादी का मंडप सजाना गैरकानूनी है। और कानून की टीम ऐसी शादियों में बाराती नहीं, रोकथाम की टुकड़ी बनकर पहुंचती है।"

विधायक जी की 'चाय पर चर्चा' : चुने हुए पत्रकार, चुनी हुई बातें, चाय में घुला विकास का स्वाद!"



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन ने बुधवार को कुछ चुनिंदा खास, बेहद खास और खासमखास पत्रकारों को चाय पर बुलाया। बाकियों के लिए थी विज्ञप्ति की मिठास और ईमेल का प्यार भरा पैगाम। यह चाय पर चर्चा नहीं, बल्कि "चाय विद पीआर" का सजीव प्रसारण था जो बिना लाइव टेलीकास्ट के हुआ। इसी पीआर व छवि चमकाने वाली एक्सरसाइज की विज्ञप्ति के अनुसार चर्चा में शहर के अब तक के विकास कार्यों का लेखा-जोखा रखा गया, भविष्य की योजनाओं का खाका खींचा गया। इस सबके बीच जो सबसे महत्वपूर्ण रहा, वो था "कौन आमंत्रित था और कौन नहीं।" चर्चा में मीडिया प्रतिनिधि ललित तलेसरा, विधायक सहायक महेन्द्र सैन और सहयोगी कैलाश मेनारिया विशेष रूप से मौजूद रहे। हालांकि इस "चाय संवाद" में शहर के सभी पत्रकार या मीडिया संस्थान नहीं बुलाए गए, चर्चा में विधायक जैन ने फिर से दोहराया कि नागदा रेस्टोरेंट से केशवनगर तक 20 फीट की सड़क को 40 फीट किया जाएगा, कुम्हारों का भट्टा से सेवाश्रम ब्रिज तक रेलवे लाइन के समानांतर नया लिंक रोड बनाया जाएगा, और शहर की तंग गलियों में ई-रिक्शा संचालन की योजना बनाई गई है, ताकि पर्यटकों को "आधुनिक पुराना शहर" का अनुभव मिल सके। विधायक ने यह भी जोड़ा कि आयड़ नदी से अतिक्रमण हटाकर सौंदर्यीकरण करवाया गया है, एलिवेटेड रोड का निर्माण कार्य जारी है, जो लेन कोर्ट से अश्विनी बाजार तक निकलेगा बशर्ते इंजीनियरों की राय एकमत हो जाए। दुर्गा नर्सरी, फतहपुरा और समोरबाग चौराहों का विस्तारीकरण किया जा रहा है, ताकि ट्रैफिक का समाधान निकले। खास बात यह रही कि चर्चा में ड्रेस कोड तक की बात पहुंची अब ऑटो चालकों को निश्चित वर्दी पहननी होगी, ताकि सवारी को लगे कि भले ही किराया मनमाना हो, पर चालाक "आधिकारिक" दिखे। अंदरूनी शहर में ई-रिक्शा चलाने का प्रस्ताव आया तो लगा जैसे विकास की बैटरी चार्ज हो चुकी हो। मुखर्जी चौक पर सब्जी मंडी को व्यवस्थित कर विक्रेताओं को शेड में बैठाने की बात भी हुई, ताकि सब्जी खरीदते समय लोग धूप से परेशान न हों कृ और पुलिस चौकी का निर्माण भी हो सके। बातचीत में ट्रैफिक पुलिस को दो क्रेनों की सौगात भी शामिल रही, ताकि नो पार्किंग में खड़े लावारिस वाहनों को विकास पथ से हटाया जा सके। बाकी पत्रकारों के लिए, जो 'इस खास चाय' का हिस्सा नहीं बन सके, उनके लिए एक पॉलिश की हुई प्रेस विज्ञप्ति तैयार थी, जिसमें नाप-तौलकर विकास योजनाएं और उपलब्धियां परोसी गईं जो हम आप तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।